B.M.A College Baheri Darbhanga (L.N.M.U)

BA (Hons) part - II पेपर - III

30, 9, 20

Dr Manoj Kumar Sah

राष्ट्रीय दल और क्षेत्रीय दल

* राष्ट्रीय दल की विचारधारा, नीति और कार्यक्रम सम्पूर्ण भारत की स्थिति को ध्यान में रखकर निर्धारित किया जाता है, क्षेत्रीय दल अपने राज्य या क्षेत्र विशेष की परिस्थितियों को विशेष रूप से ध्यान में रखता है। इसी कारण कभी-कभी क्षेत्रीय दल या दलों द्वारा 'आक्रामक क्षेत्रवाद' की नीति और कार्यक्रम को अपना लिया जाता है। उदाहरण के लिए राज ठाकरे और उनके राजनीतिक दल 'महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना' ने 2008ई. में उत्तर भारतीयों के विरुद्ध जहर उगलते हुए ऐसा ही किया है, लेकिन सभी क्षेत्रीय दल ऐसा आचरण नहीं करते।

* राष्ट्रीय दल का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत होता है। क्षेत्रीय दल का कार्यक्षेत्र एक या एक से अधिक राज्य, लेकिन क्षेत्रीय दल अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर राष्ट्रीय दल की स्थिति पाने का प्रयत्न अवश्य ही करता है।

* सामान्यतया क्षेत्रीय दल की शक्ति राष्ट्रीय दल की तुलना में कम होती है, लेकिन इस स्थिति के अपवाद हो सकता है और व्यवहार में होते भी है। भारतीय समाजवादी दल एक राष्ट्रीय दल इसकी तुलना समाजवादी दल, डी.एम.के और अन्ना डी.एम.के. को पन्द्रहवीं लोकसभा में अधिक प्रतिनिधित्व प्राप्त है।

व्यवहार में स्थिति यह है कि भारत में बहुदलीय व्यवस्था है और बहुदलीय व्यवस्था के अन्तर्गत वैधानिक दृष्टि से तो इनमें अन्तर बना रहता है, लेकिन व्यवहार में यह अन्तर बहुत कम रह जाता है